

Implementation of Recommendation of Kothari Commission Regarding Pay Scales of Teachers

- *348. **SHRIMATI SAVITRI SHYAM :**
SHRI SHRI CHAND GOYAL :
SHRI SRADHAKAR SUPAKAR :
SHRIMATI TARA SAPRE :
DR. MAHADEVA PRASAD :

Will the Minister of EDUCATION AND YOUTH SERVICES be pleased to state :

(a) the names of the States which have implemented the recommendation of the Kothari Commission in regard to the pay scales of their teachers in the different categories ;

(b) the steps taken by Government to enforce implementation of the recommendations of the Commission uniformly ; and

(c) whether the University Grants Commission gives any aid in the implementation of these recommendations ?

THE MINISTER OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES (DR. V. K. R. V RAO) : (a) and (b). A statement is laid on the Table of Sabha. [Placed in Library. See No. LT—245/69].

(c) In order to implement the salary scales recommended by University Grants Commission for University and College teachers, Government of India has been giving to the State Governments 80% of the additional expenditure for 5 years since 1st April, 1966.

Formation of Saurashtra Sena

- *349. **SHRI R. K. AMIN :**
SHRI VISHWA NATH PANDEY :

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether there is a move to form a Saurashtra Sena by the students of Saurashtra ;

(b) if so, the reasons for such a move ; and

(c) the Government's reaction to such a move ?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI Y. B. CHAVAN) : (a) and (b). According to information furnished by the State Government, some student leaders decided on December 1, 1968 to set up a Saurashtra Sena with a view to protect against the alleged unjust attitude of the State Government towards the students in particular and the people of Saurashtra in general. No activities of the sena have come to notice of the State Government so far.

(c) The State Government are keeping a watch over the situation.

मद्रास में हिन्दी स्कूल खोलना

*350. **श्री यशपाल सिंह :** क्या शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मद्रास राज्य के उन व्यक्तियों के लिए, जो स्वेच्छा से हिन्दी सीखना चाहते हैं, 200 स्कूल खोलने की योजना को क्रियान्वित करने के सम्बन्ध में क्या मतभेद उत्पन्न हो गये हैं ;

(ख) इन स्कूलों को चलाने के लिए शिक्षा मंत्रालय का कितनी घनराशि का अनुदान देने का विचार है ; और

(ग) इस योजना के फलस्वरूप तामिलनाडु में विस्थापित हुए कितने ग्रन्थ्यापकों को रोजगार मिलेगा ?

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री भक्त बर्शल) (क) से (ग).

तामिल नाडू सरकार द्वारा अपने स्कूलों में द्विभाषा-सूत्र अपना लेने पर उन स्कूलों में हिन्दी शिक्षण बन्द हो गया। इस के पश्चात दक्षिण-भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास ने भारत सरकार से तामिलनाडू में 360 एक ग्रन्थ्यापक वाले हिन्दी विद्यालय खोलने के लिए आर्थिक सहायता देने का अनुरोध किया जिससे कि उन लोगों को हिन्दी पढ़ाई जा सके जो स्वेच्छा से हिन्दी सीखना चाहते हैं और साथ साथ

राज्य सरकार द्वारा छूटनी किये गये ग्रह्यापकों को भी रोजगार मिल सके। भारत सरकार ने ऐसे 200 विद्यालय खोलने के लिए आर्थिक सहायता देना स्वीकार किया लेकिन इस शर्त पर कि इन विद्यालयों में केवल छूटनी किये गये हिन्दी ग्रह्यापकों को ही नियुक्त किया जायेगा। कुछ क्षेत्रों में इससे भ्रान्तियां उत्पन्न हुईं और उन्होंने सोचा कि ऐसे विद्यालय खोल कर भारत सरकार तमिलनाडू सरकार द्वारा स्कूलों में हिन्दी न पढ़ाने के निर्णय की प्रवृत्ति कर रही है और उन पर हिन्दी थोप रही है। प्रो० शेर सिंह ने जो उस समय शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री थे व्यक्तिगत रूप से मद्रास के स्वर्गीय मुख्य मंत्री श्री सी० एन० भन्नादुरै तथा राज्य के अन्य मंत्रियों से मिल कर यह स्पष्ट कर दिया था कि केन्द्रीय सरकार तमिलनाडू में हिन्दी पढ़ाने के लिए स्वयं कोई पारम्परिक विद्यालय नहीं चलाना चाहती, वह तो केवल दक्षिण-भारत प्रचार सभा को जो कि तमिलनाडू और दक्षिण के अन्य राज्यों में पिछले कई वर्षों से निःशुल्क हिन्दी शिक्षण कक्षाएं और हिन्दी विद्यालय चला रही हैं उन लोगों की सुविधा के लिए जो कि स्वेच्छा से हिन्दी पढ़ना चाहते हैं, सभा की हिन्दी शिक्षण गतिविधियों के विस्तार के लिए आर्थिक सहायता दे रही है। राज्य सरकार को यह भी स्पष्ट कर दिया गया था कि केन्द्रीय सरकार की प्रचलन रूप से हिन्दी लादने की कोई मशा नहीं है। इन भ्रान्तियों के निवारण के पश्चात तमिलनाडू के स्वर्गीय मुख्य मंत्री और अन्य मंत्रियों से यह कहा कि उन्हें स्वेच्छिक हिन्दी संस्थाओं के माध्यम से राज्य में स्वेच्छा के आधार पर हिन्दी शिक्षण पर कोई प्राप्ति नहीं।

1968-69 में 200 एक ग्रह्यापक वाले हिन्दी विद्यालय चलाने के लिए दक्षिण-भारत हिन्दी प्रचार सभा मद्रास को 1,60,500/- रु० का अनुदान मंजूर किया गया है। प्राप्ति है कि इन विद्यालयों में तमिलनाडू के छूटनी किये

गये 200 हिन्दी ग्रह्यापकों को क्षपाया जा सकेगा।

Raising of Freight Rates

*351. SHRI C. JANARDHANAN : Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Western Shipping liner conference have on several occasions unilaterally raised shipping freights in the past few years ;

(b) whether the action on the part of the liner conference has adversely affected the exports of developing countries including India ; and

(c) if so, the action Government propose to take in cooperation with other developing countries to protect the interests of our trade ?

THE MINISTER OF PARLIAMEN-
TARY AFFAIRS, AND SHIPPING AND
TRANSPORT (SHRI RAGHU RAMAIIH) :

(a) Yes, Sir.

(b) While it is true that increases in shipping freight rates do affect the competitive position of our export goods it is also true that shipping freight is only one of the numerous factors having a bearing on the export trade and it is difficult to isolate any one factor as being the reason for rise or fall in export.

(c) In cooperation with other developing countries we have got resolutions passed by UNCTAD-II regarding establishment of consultation machinery in the field of shipping and freight rates and conference practices. So far as India is concerned, the shippers have been organised into three Regional Associations at Bombay, Calcutta and Madras with an apex body called the All India Shippers' Council at New Delhi. Efforts are now being made to persuade the Conferences to recognise these bodies and to consult them before enforcing increases in shipping freight rates.

More Employment to Minorities

*352 SHRI KANWAR LAL
GUPTA :
SHRI SHRI GOPAL SABOO ;